

2. दरिद्र पुं. (तद्.) दीन, दरिद्र तथा विपत्ति का मारा हुआ व्यक्ति।
- कंधेरा पुं.** (तद्.) कंधा बनाने वाला व्यक्ति।
- कंधेरा पुं.** (तद्.) काँच की वस्तुएँ, बर्तन, चूड़ी आदि बनाने वाला व्यक्ति।
- कंजियाना अ.क्रि.** (देश.) 1. अंगारे का ठंडा पड़ जाना, काला पड़ जाना 2. नेत्रों या आँखों का हल्के नीलेपन के साथ काला होना।
- कंटकारा पुं.** (तत्.) कंटकार 1. सेमल 2. एक तरह का काँटेदार बबूल।
- कंटकारी स्त्री.** (तत्.) 1. भटकटैया, कटहरी (कटेरी) 2. सेमल, छोटी कटाई।
- कंटिया स्त्री.** (देश.) 1. मछली फँसाने की बंसी 2. इमली की बीजरहित छोटी फलियाँ 3. अंकुश, छोटी कील 4. सिर का एक गहना।
- कंटियाना स.क्रि.** (देश.) काँटे में फँसाना 2. पौधे में काँटे आने की अवस्था 3. काँटा-युक्त होना।
- कंटीला वि.** (देश.) काँटेदार, काँटों वाला।
- कटेरी स्त्री.** (तद्.) भटकटैया, कटेहरी।
- कंड़हारा पुं.** (तद्.) कर्णधार, नाविक, मल्लाह (खेने वाला) माँझी।
- कंदला पुं.** (देश.) तारकशों द्वारा तार बनाने के लिए प्रयुक्त चाँदी की लंबी छड़ या गुल्ली। पासा, रैनी, गुल्ली, 2. सोने या चाँदी का पतला तार प्रयो. कंदला गलाना, चाँदी और सोने के टुकड़ों को मिलाकर गलाना।
- कंदैला वि.** (तद्.) पंकिल, कीचड़ युक्त, मैला, गंदा, गँदला।
- कंधावर स्त्री.** (तद्.) 1. कंधे पर डाली हुई चादर 2. किसी चीज को कंधे पर लटकाने के लिए प्रयोग की गई रस्सी 3. हल या गाड़ी के जुए के वे भाग जो बैलों के कंधों पर रखे जाते हैं।
- कंधियाना स.क्रि.** (देश.) 1. कंधे पर रखना, कंधे पर उठाकर किसी को सहारा देना 3. किसी

कारण से बैल के कंधे का सूज जाना (कंधा आ जाना या कंधिया जाना)।

कंधेला पुं. (तद्.) कंधे पर डाला जाने वाला महिलाओं की साड़ी का हिस्सा या भाग।

कंधैया स्त्री. (तद्.) 1. बच्चों को कंधे पर बैठाकर ले जाने की क्रिया अथवा भाव 2. कंधा 3. कंधा देने या कंधे पर बिठाकर ले जाने वाला व्यक्ति।

कंधोली स्त्री. (तद्.) बैल या घोड़े आदि की पीठ को छिलने से बचाने के लिए सामान लादने से पहले रखी जाने वाली वस्तु या साज।

कंप/कंपन पुं. (तत्.) कंपकंपी, थरथराहट, ठंड या भय आदि के कारण शरीर में अंगों का बारबार हिलना।

कंप-कंप क्रि.वि. (तद्.) काँप-काँप कर, कंपित होते हुए उदा. "कंप-कंप हिलोर रह जाती रे मिलता नहीं किनारा"

कंपकंपी स्त्री. (तद्.) काँपना, कंपना 2. भय या अन्य कारणों से शरीर के अंगों का थरथराना, काँपना कंपकंपी छूटना- अत्यंत भयभीत होना।

कंपना अ.क्रि. (तद्.) काँपना, कंपन होना पुं. (तद्.) कंपन, 'कंपकंपी'।

कंपनी स्त्री. (तद्.) कंपकंपी, काँपना, कंपन होना, कंपन।

कंपाना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी को काँपने हेतु प्रेरित या विवश करना 2. हिलाना-डुलाना 3. भयभीत करना, डराना 4. दहला देना।

कंबनी वि. (तद्.) कमनीय, सुंदर।

कंबरी स्त्री. (देश.) 1. पचास पानों की गड़ड़ी (प्रायः पान बेचने वाले लोगों द्वारा इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द)।

कंवर पुं. (तद्.) 'कुंवर'। 1. सम्मानार्थक उपाधि के रूप में प्रयुक्त शब्द यथा- 'कंवर-राजेन्द्र सिंह स्त्री. कंवरी (कुमारी)।

कंवरी स्त्री. (देश.) (तत्.-'कुमारी') केशों की चोटी, कवरी।